prabhatkhabar.com

प्रभात खबर

लाइफ @ संडे

जर्नलिज्म जिंदगी का

जमशेदपुर, रविवार 14.06.2020

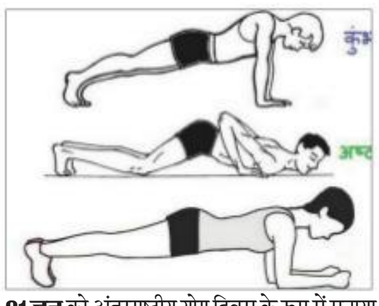


रक्तदाता जियो हजारों साल

भारत में लोग सालाना करीब 75 लाख यूनिट ब्लड डोनेट करते हैं. जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की ज़रूरत होती है. यानी क़रीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल सैंकड़ों मरीज़ दम तोड़ देते हैं. हमारे देश की आबादी भले ही सवा अरब पहुंच गयी हो, लेकिन रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है. विशेषज्ञों के अनुसार भारत में कुल रक्तदान का केवल 59 फीसदी रक्तदान स्वैच्छिक होता है. जबकि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है, तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलैंड में 95 फीसदी, इंडोनेशिया में 77 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है. इसके ठीक विपरीत लौहनगरी जमशेदपुर के लोग ब्लड डोनेट करने में अग्रणी हैं. यहां की प्लेटलेट्स तक डोनेट करते हैं. 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस है, इसका उद्देश्य लोगों में रक्तदान के प्रति जागरुकता बढ़ाना है. इस विशेष दिवस पर रक्तदाताओं को समर्पित **लाइफ@जमशेदपुर** की रिपोर्ट

प्रभात खबर योग कांटेस्ट

योगासन व प्राणायाम के साथ भेजें अपनी तस्वीर



21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है. योग ऐसा साधन है जो नेचुरल इम्युनिटी बुस्टर का काम करता है. योग, जैसे-जैसे लोगों के जीवन से जुड़ रहा है. लोगों में अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता भी लगातार बढ़ रही है. प्रभात खबर की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग फोटो कांटेस्ट का आयोजन किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में कोई भी हिस्सा ले सकता है.

प्रतियोगिता के नियम

- **प्रतिभागी को योग, आसन, प्राणायाम करते हुए तस्वीर खींच कर प्रभात खबर के व्हाट्स एप नंबर 8651803251 पर भेजना है. तस्वीर भेजने की अंतिम तिथि 19 जून है.**
- योगासन और प्राणायाम का नाम लिखना आवश्यक है.
- **साथ ही प्रतिभागी अपना नाम, उम्र व पता भी लिखें.**
- चयनित तस्वीर को 21 जून को प्रभात खबर को प्रकाशित किया जायेगा.

गुडमॉर्निंग



इस मिट्टी में कुछ अनूठा है, जो कई बाधाओं के बावजूद हमेशा महान आत्माओं का निवास रहा है.

■ सरदार पटेल

संस्था अर्पण का रक्तदान शिविर शुरू



जमशेदपुर.सामाजिक संस्था अर्पण द्वारा तीन दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शनिवार को शिविर के पहले दिन 274 लोगों ने रक्तदान किया. संस्था ने 1100 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य तय किया गया है. संस्था के अध्यक्ष जुगून पांडेय ने बताया कि कोरोना संक्रमण और सोशल डिस्टेंस को मेंटेन करने के लिए संस्था ने तीन दिवसीय रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है. रक्तदान शिविर जमशेदपुर ब्लड बैंक में 14-15 को भी जारी रहेगा. रक्तदान शिविर का उद्घाटन रविवार को होगा.

- **पहले दिन 274 यूनिट रक्त संग्रहित**
- **शिविर में आज मुख्य अतिथि होंगे विधायक सरयू राय, उद्घाटन करेंगी मीरा मुंडा**

मुख्य अतिथि विधायक सरयू राय और उद्घाटनकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की धर्मपत्नी एवं भाजपा नेता मीरा मुंडा, अति विशिष्ट अतिथि सांसद विद्युत महतो, विशिष्ट अतिथि इंटक नेता राकेश्वर पांडे आदि रक्तदाताओं का सम्मानित करेंगे. 5वें वर्ष अर्पण संस्था द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की शहादत को समर्पित रक्तदान शिविर के अवसर पर शनिवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र एवं पौधा दे सम्मानित किया. इस अवसर पर श्री काले ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे प्रमुख साधन है इसका कोई भी मोल नहीं है. प्रथम दिन के शिविर को सफल बनाने में अखिलेश पांडे, राघवेंद्र कुमार, पशुपति नाथ पांडे, जुगुन पांडे, महेश मिश्रा, प्रिंस सिंह, बिभाष मजूमदार, अभिषेक पांडे, धीरज चौधरी, विक्रम ठाकुर, घनश्याम भिरभिरिया, सुमन कुमार, राजेश सिंह, किशोर ओझा, प्रेम चंद भगत, जीवन सिंहदेव, रमेश बास्के, सुशील पांडे, नंदकिशोर मुंडा, सूरज चौबे, राजू कुमार, सरबजीत सिंह, सूरज बाग, शुरू पात्रो, अनुज मिश्रा, लकी जयसवाल, विवेक कुमार, रामा राव, शशि मुखी, शेखर मुखी, विशाल सिंह, राहुल पाल, मनोज हलदर कई सदस्यों ने अहम सहयोग किया.

बांबे ब्लड ग्रुप रक्तदाता

उमाकांत मंडल, घाटशिला

काठमांडू जाकर किया ब्लड डोनेट, बचायी जान

घाटशिला निवासी उमाकांत मंडल का ब्लड ग्रुप बॉम्बे ग्रुप है. वे अब तक 25 बार रक्तदान कर सीरियस मरीजों की जान बचा चुके हैं. उमाकांत मंडल ने बताया कि 9 फरवरी 2020 को उन्होंने काठमांडू जाकर ब्लड डोनेट किया. इससे पूर्व उन्होंने जमशेदपुर, भुवनेश्वर, कोलकाता, रांची, सिमडेगा जाकर ब्लड डोनेट किया है. वर्ष 1994 में पहली बार धर्मशाला में आयोजित रक्तदान शिविर में ब्लड डोनेट करने गये थे. उसके कुछ दिनों बाद ब्लड बैंक जमशेदपुर से मुझे फोन आया कि आपका ब्लड बॉम्बे ग्रुप का है. इसलिए इधर-उधर ब्लड ब्लड डोनेट करने की जरूरत नहीं है. इसके बाद से जब भी ब्लड बैंक को जरूरत होती है और फोन आता है तोतभी ब्लड डोनेट करते हैं.



■ बांबे ग्रुप के ब्लड डोनर, काल आने पर ही करते हैं ब्लड डोनेट

महेंद्र मंडल, लक्ष्मी नगर

जिंदगी बचाने के लिए हमेशा तैयार रहता हूं



लक्ष्मी नगर झगरू बगान के रहनेवाले महेंद्र मंडल कुल 18 बार ब्लड डोनेट कर चुके हैं. इनका ब्लड ग्रुप बांबे ग्रुप है. ब्लड बैंक से कॉल आने पर ही ये ब्लड डोनेट करते हैं. क्योंकि ऐसे ब्लड डोनेट करने से किसी को कोई फायदा नहीं मिलेगा. उनका ब्लड ग्रुप बॉम्बे ग्रुप है इस बात का पता उन्हें वर्ष 2000 में चला था. उसके बाद से वे लगातार ब्लड डोनेट कर रहे हैं.

अमिताभ कुमार, बारीडीह

महाराष्ट्र एवं कर्नाटक में बॉम्बे ग्रुप के हैं अधिक



बारीडीह निवासी अमिताभ कुमार का ब्लड भी बॉम्बे ब्लड ग्रुप का है. वे अबतक करीब 30 बार ब्लड डोनेट कर चुके हैं. वे जमशेदपुर के अलावा बैंगलोर, भुवनेश्वर, कोलकाता, भिलाई समेत अन्य शहरों में जाकर ब्लड डोनेट कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि बांबे ब्लड ग्रुप वालों ने एक व्हाट्सअप ग्रुप बनाया है. जैसे ही ब्लड का रिक्वायरमेंट आता है तो पहले वहां पर लोकल ब्लड डोनर को खोजा जाता है, नहीं मिलने पर जाकर ब्लड डोनेट करते हैं. उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र एवं कर्नाटका में बॉम्बे ब्लड ग्रुप के अधिक लोग हैं.

क्या है बांबे ब्लड ग्रुप

आमतौर पर हम ए, बी, एबी, और ओ ब्लड ग्रुप जानते हैं. इन सभी के निगेटिव और पॉजिटिव ग्रुप्स होते हैं. जब भी खून की जांच होती है, तो इनमें से ही कोई एक ब्लड ग्रुप पाया जाता है, लेकिन इन दिनों अस्पतालों में एक अलग तरह के ब्लड ग्रुप की मांग है. बॉम्बे ब्लड ग्रुप काफी रेयर है. अलग-अलग अस्पतालों में कई मरीजों को इसकी जरूरत पड़ रही है. विशेषज्ञों का कहना है कि यह बॉम्बे ब्लड ग्रुप 7600 से अधिक लोगों में से किसी एक में यह ब्लड ग्रुप पाया जाता है. साल 1952 में एक डॉक्टर ने ही इसकी खोज की थी. इसकी खोज मुंबई में की गई थी, जिसका नाम तब बॉम्बे था, इसलिए इस खास तरीके के खून का नाम भी बॉम्बे ब्लड ग्रुप पड़ गया.

तीन दोस्तों ने 347 बार दिया रक्त

एसके झा, जयंत भुइंया और शशांक शेखर हैं बचपन के दोस्त



एसके झा **152 बार**

जयंत भुइंया **105 बार**

शशांक शेखर **90 बार**

निसार@जमशेदपुर

शहर में 36 से अधिक व्यक्ति ऐसे हैं जो सौ बार से अधिक बार रक्तदान चुके हैं. इनका खून हजारों के दिलों में धड़क रही है. आज विश्व रक्तदाता दिवस है. आज हम तीन ऐसे दोस्तों की बात कर रहें हैं, जिन्होंने मिलकर अभी तक 347 बार खून दे चुके हैं. राष्ट्रीय चेस कोच जयंत भुइंया, टाटा स्टील कर्माचारी सुरेंद्र कुमार झा और शशांक शेखर जो बचपन के दिनों में बारीडीह में रहते थे. तीनों जैसे-जैसे जवान हुए तीनों का रुझान समाजसेवा की ओर भी बढ़ा चला गया. तीनों दोस्त 80 के दशक में देखा कि खून की आवश्यकता बहुत है. लोग को खून के लिए दर-दर भटकना पड़ा है. लोग जल्दी खून डोनेट नहीं करते हैं. फिर तीनों ने खून डोनेशन करना शुरू किया.

ब्लड डोनेट करने के मामले में नंबर वन है एसके झा : सोनारी वृंदावन गार्डन के रहने वाले 58 वर्षीय सुरेंद्र कुमार झा ब्लड डोनेट करने में नंबर वन है. वह पूरे झारखंड में सर्वाधिक 152 बार खून डोनेट कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि जमशेदपुर शहर को इस ढंग बसाया गया है कि हर चीज के बारे में लोगों को बहुत पहले से ही छोटी जरूरतों के बारे में जागरूक किया जाता था. एलडी-2 में काम करने वाले एसके झा ने बताया 1981 में अपने कॉलेज के जमाने में पहली बार खून डोनेट किया था. उस समय एक टिस्को का अपना मैगजीन निकलता था, जिसमें उन्होंने ब्लड डोनेशन के बारे में पढ़ा और खून देने के लिए प्रेरित हुए. वह साल में चार से पांच बार ब्लड डोनेट कर देते हैं.

बहन को हुई खून कमी, मशक्कत से मिली खून,तो शशांक ने शुरू किया ब्लड डोनेशन : स्वर्ण रेखा फ्लैट, साकची के रहने वाले शशांक शेखर अभी तक 90 बार ब्लड डोनेट कर चुके हैं. 54 वर्षीय शशांक टाटा स्टील में काम करते हैं. उन्होंने बताया कि 1981 में मेरे घर में एक ऐसा इंसिडेंट हुआ कि मेरी अंदर ब्लड डोनेट करने की भावना जागृत हो गयी. उन्होंने बताया कि उस समय हम बारीडीह में रहते थे. मेरी छोटी बहन अचानक बीमार पड़ गयी. डॉक्टरों ने बताया कि 22 यूनिट खून की जरूरत है. हमें 22 यूनिट खून को जुटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. मैंने भी अपनी बहन को खून देने की कोशिश कि लेकिन अंडर वेट होने के कारण मेरा खून नहीं लिया गया. इसके बाद मैंने हर वर्ष अधिक से अधिक खून डोनेट करने का निर्णय लिया.

जयंत ने दोस्त की बहन को पहली बार दिया ब्लड, फिर पूरा किया शतक : बाराद्वारी के रहने वाले 58 वर्षीय जयंत भुइंया पेशे से एक शतरंज कोच हैं. वह अभी तक अपने जीवन काल में कुल 105 बार ब्लड डोनेट कर चुके हैं. जयंत ने बताया कि ब्लड डोनेट करने का सिलसिला 1981 में शुरू हुआ. जब वह बारीडीह में रहते थे. उनके बचपन के मित्र शशांक की बहन को खून की जरूरत पड़ी तो पहली बार मैंने खून दिया था. इसके बाद मैं लगातार ब्लड डोनेट करता रहा और 100 के पार पहुंच गया.

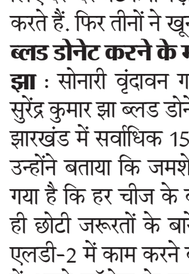
ब्लड डोनेट करने का देते हैं संदेश

जयंत भुइंया, शशांक व एसके झा दिनों बचपन के दोस्त हैं. दिनों दोस्त अगर ट्रेकिंग के लिए अलग-अलग जगहों पर जाते रहते हैं. इस दौरान जब कभी वह कहीं जाते हैं ब्लड डोनेशन के लिए लोगों को प्रेरित करते हैं.

सबसे पहले 100 बार रक्तदान करने वाले एसपी त्रिवेदी राजेंद्रनगर के रहने वाले एसपी त्रिवेदी पूर्वी भारत में सबसे पहले सौ बार ब्लड डोनेट करने वाले व्यक्ति हैं. 19 जुलाई 1968 को पटना में एक आंदोलन चल रहा था. उसमें कुछ लोगों को खून की जरूरत पड़ी तो जमशेदपुर में रक्तदान कर वहां खून उन्होंने भेजा था. इसके बाद नियमित रूप से खून देने लगें. अपने जीवन काल में लगभग 137 बार खून दे चुके हैं.

दीनबंधु दास, टेल्को कॉलोनी

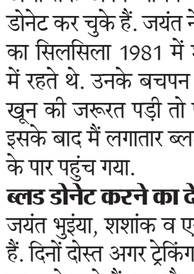
41 साल में किया 125 बार रक्तदान



टेल्को कॉलोनी निवासी दीनबंधु दास अबतक 125 बार रक्तदान कर चुके हैं. वे वर्ष 1979 में पहली बार रक्तदान किया था. उन्होंने बताया कि उस समय रक्तदान करने पर घर में काफी सवाल-जबाव होता था. इसलिए मैं कंपनी में इ्यूटी जाने के बहाने शिविर में जाकर ब्लड डोनेट कर देता था. 125 बार रक्तादान के लिए मुझे कई अवार्ड भी मिल चुका है.

सुखविंदर सिंह, जुगसलाई

183 मरीजों को मुहैया करवाया ब्लड



जुगसलाई निवासी 24 वर्षीय सुखविंदर सिंह जो सामाजिक संस्था वॉइस ऑफ ह्यूमेनिटी के सक्रिय सदस्य है. उन्होंने लॉकडाउन में 183 मरीजों को आपातकालीन स्थिति भी ब्लड डोनर की व्यवस्था करवा चुके हैं. सुखविंदर सोशल मीडिया व अपने दोस्तों की मदद से रक्त की समस्या को दूर करने में जुटे रहते हैं.

प्लेटलेट्स डोनर

लीपू शर्मा 34 बार कर चुके हैं प्लेटलेट्स डोनेट



सबसे पहले मैंने 2003 से ब्लड देना शुरू किया जब भी 3 महीने होते जा कर दे आता. 2013 से ब्लड कैंप शुरू किया. अब तक कम से कम 5000 से अधिक लोगों को ब्लड की जरूरत पूरा करवा चुका हूं. उन्होंने बताया कि अब वे होल ब्लड डोनेट नहीं करते, बल्कि प्लेट्लेट्स डोनेट करते हैं. करीब 34 बार सिंगल प्लेट्लेट्स डोनेट कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि प्लेटलेट्स की जरूरत कैंसर या डेंगू के मरीज को पड़ती है.

अमित खंडेलवाल ने 19 बार प्लेटलेट्स किया डोनेट



मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष अमित खंडेलवाल अब तक 19बार प्लेटलेट्स डोनेट कर चुके हैं. श्री खंडेलवाल ने बताया कि उन्होंने काफी क्रिटिकल मरीज को ही प्लैटलेट्स डोनेट किया है. आश्चर्य की बात यह है कि अबतक जीतने भी क्रिटिकल मरीजों को प्लैटलेट्स डोनेट किया, वे सभी मरीज पूरी तरह से ठीक हो गये. इसमें एक दो दिन की बच्ची थी, जिसको कई लोगों का प्लेटलेट्स चढ़ाया गया लेकिन वह काम नहीं कर रहा था. जब मेरा प्लेटलेट्स चढ़ा तो वह काम करने लगा और पूरी तरह से ठीक हो गयी.

विनोद करते हैं प्लेटलेट्स डोनेट



सोनारी आदर्श नगर निवासी विनोद शर्मा अबतक 5 बार **प्लेटलेट्स** डोनेट कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि वे 18 वर्ष की आयु से होल ब्लड डोनेट करते आ रहे हैं. लेकिन पिछले डेढ़ साल से वे प्लेटलेट्स डोनेट कर रहे हैं. सिंगल प्लेटलेट्स डोनर से मरीज को काफी फायदा होता है.

कैसे करते हैं प्लेटलेट्स

ब्लड डोनर के खून से प्लेटलेट्स निकालकर खून वापस उसके शरीर में ब्लीडिंग सेट से चला जाता है. मशीन की सहायता से निकाली गई प्लेटलेट्स से हेमरेजिक डेंगू से पीड़ितों को नयी जिंदगी मिल रही है. यह प्रक्रिया थोड़ी जटिल जरूर है लेकिन इससे प्लेटलेट्स का खर्च करीब 5 गुना कम हो जाता है. हालांकि अभी जानकारी के अभाव और जटिल प्रक्रिया के चलते डोनर प्लेटलेट्स दान करने से बच रहे हैं. किसी व्यक्ति से प्लेटलेट्स निकालने में करीब 55 मिनट से लेकर डेढ़ घंटे तक लगता है. एफरेसिस मशीन के जरिये एक यूनिट ब्लड से मरीज में कम से कम 50 हजार प्लेटलेट्स बढ़ जाती है. कंपाउंडिंग मशीन से बनायी गई प्लेटलेट्स से प्लेटलेट्स की मात्रा 2 हजार से 4 हजार तक बढ़ती है.

रक्तदान के फायदे

- **रक्तदान** करने से से हार्ट अटैक की आशंका कम हो जाती है
- **रक्तदान** करने से खून पतला होता है, जो हृदय के लिए अच्छा होता है
- **नियमित** ब्लड डोनेट करने से कैंसर व दूसरी बीमारियों के होने का खतरा भी कम हो जाता है, क्योंकि यह शरीर में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है.

एक यूनिट रक्त के माध्यम से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है

कौन कर सकता है रक्तदान

- कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसकी आयु 18 से 68 वर्ष के बीच हो
- जिसके रक्त में हिमोग्लोबिन का प्रतिशत 12 प्रतिशत से अधिक हो
- जिसका वजन 45 किलोग्राम से अधिक हो

थैलेसीमिया मरीज को हर 10-15 दिन में पड़ती है खून की जरूरत

थैलेसीमिया से ग्रसित लोगों को प्रत्येक 10 से 15 दिनों में खून की जरूरत पड़ती है. लेकिन कभी-कभी खून नहीं मिल पाता है. ए प्लस, एबी प्लस ग्रुप का खून जल्दी नहीं मिलता. सामान्य दिनों की बात की जाये तो जमशेदपुर ब्लड बैंक पर करीब 700 थैलेसीमिया रोगी आश्रित हैं. इतने लोगों के लिए खून की व्यवस्था करना कम बड़ी बात नहीं है. कोरोना के इस संकट की घड़ी में अधिक-से-अधिक लोगों को रक्तदान करने की जरूरत है.

-शेख अहमद अमन, अध्यक्ष,झारखंड थैलेसीमिया विकलांग मंच

चाइल्ड of the Day

श्रावंती माझी



- **स्कूल**: जॉय लैंड स्मार्ट स्कूल
- **फेवरेट ड्रेस**: जींस एंड टॉप
- **क्लास**: वन
- **फेवरेट गेम**: हाइड एंड सिक
- **जन्म तिथि**: 25 जनवरी 2013
- **फेवरेट पर्सन**: मम्मी
- **पापा-मम्मी**: मलय माझी, रिंकी माझी
- **बनना है**: शिक्षक
- **फेवरेट सब्जेक्ट**: मैथ्स
- **फेवरेट डिश**: पास्ता

अटेंशन प्लीज!

आप भी अपने बच्चे को इस कॉलम का हिस्सा बना सकते हैं. जिनकी उम्र 5 से 10 वर्ष तक की हो. आप अपने बच्चे की एक आकर्षक फोटोग्राफ और कॉलम में दी जाने वाली सूचनाएं हमें अपने कॉन्टेक्ट नंबर के साथ इ-मेल करें- life.jamshedpur@prabhatkhabar.in

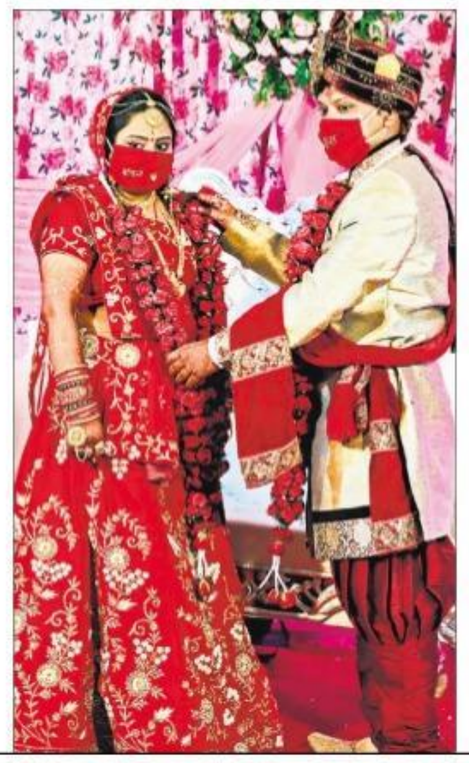
लॉकडाउन की अनोखी शादी, दोनों पक्षों से 45-45 लोग हुए शामिल, सोशल डिस्टैंसिंग का हुआ पालन

वरमाला से पहले हुई मास्क पहनाने की रस्म

जमशेदपुर. कोरोना संकट में लॉकडाउन की अनोखी शादी शनिवार को जुगसलाई स्थित श्री राजस्थान शिव मंदिर में संपन्न हुई. यहां जुगसलाई निवासी उमेश खिरवाल उर्फ टप्पु की बेटी दृष्टि खिरवाल की शादी मानगो निवासी स्व अरुण गणेरीवाल के बेटे अंकित गणेरीवाल से हुई. इस शादी समारोह में सभी लोग एक-दूसरे से अलग खड़े थे. मालूम हो कि यह शादी पूर्व से तय थी और एक मई को होनी थी. लेकिन लॉकडाउन की घोषणा के बाद इस तिथि को कैंसल करना पड़ा. लॉकडाउन समाप्त होने के बाद अनलॉक-01 शुरू हुआ कि प्रशासन से अनुमति लेकर 13 जून को शादी की तिथि तय की गयी. इस अनोखी शादी में दुरागमन के बाद दुल्हा-दुल्हन द्वारा मास्क बांधने की रस्म की गयी. इसके बाद वरमाला हुआ.

- **प्रवेश द्वार मास्क व सैनिटाइजर की थी व्यवस्था**





अपने जीवन में सैंकड़ों शादियां करवा चूका हूं. लेकिन इस तरह की पहली शादी है. जहां सभी लोग अपने चेहरे को ढक कर दूर-दूर खड़े होकर शादी में शामिल हुए हैं. यहां तक की दुल्हा-दुल्हन भी अपने चेहरे को मास्क से ढके हुए थे. शादी में तो लोग दूल्हा-दुल्हन के खुबसूरती को ही देखने आते हैं. लेकिन यहां तो चेहरा ही मास्क से ढका था. -पंडित रोशन पाल पुरोहित

अपनी शादी पर नहीं करेंगे खर्च, बचत से गरीब लड़कियों की करायेंगे शादी

संदीप सावर्ण@जमशेदपुर



दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू में 14 जून यानी रविवार को एक शादी होगी. इसमें लोकसभा में बतौर असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव कार्यरत जितेंद्र नाथ महतो दिल्ली एम्स में कार्य करने वाली आरती कुमारी से वैवाहिकबंधन में बंध जायेंगे. जितेंद्र नाथ महतो ने बताया कि वे कोरोना संक्रमण काल में वे शादी कर रहे हैं. शादी में सिर्फ वे वर- वधू पक्ष के ही करीब 20 लोग रहेंगे. सादे समारोह में शादी होगी. जिससे करीब 10 से 15 लाख रुपये बच जायेंगे. इस राशि का इस्तेमाल जीतेंद्र झारखंड की उन बहन-बेटियों की शादी में करेंगे, जिनकी शादी सिर्फ पैसों को कारण नहीं हो पाती है.

- **पटमदा. बांगुड़दा के जितेंद्र नाथ महतो आज दिल्ली में वैवाहिक बंधंन में बंधेंगे**

ग्रेट ब्रिटेन में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं जितेंद्र : जितेंद्र नाथ महतो पटमदा के बांगुड़दा गांव के रहने वाले हैं. 10वीं तक की पढ़ाई उन्होंने पटमदा के आदिवासी हाइस्कूल से की. इसके बाद रांची के संत जेवियर कॉलेज से प्लस टू की पढ़ाई की. फिर उन्होंने बीएचयू से उच्च शिक्षा हासिल की. साथ ही डीयू से एलएलएम की डिग्री भी ली. वर्ष 2001 में जितेंद्र नाथ महतो को इंदिरा गांधी नेशनल अवार्ड मिल चुका है. साथ ही उन्हें वर्ष 2002 में ग्रेट ब्रिटेन में आयोजित राष्ट्रमंडल युवा सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिल चुका है.

करीम सिटी कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग की ओर से वेबिनार

लॉकडाउन में मनुष्यों के व्यवहार में आया बदलाव

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

करीम सिटी के मनोविज्ञान विभाग की ओर से एक वेबिनार का आयोजन किया गया. जिसमें रिसोर्स पर्सन के रूप में लखनऊ के किंग जॉर्जर्स मेडिकल यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राकेश कुमार त्रिपाठी मौजूद थे. उन्होंने बताया कि लॉकडाउन व कोरोना के कारण मनुष्य के व्यवहार में आंतरिक व बाह्य दोनों ही स्तर पर बदलाव हुआ है. लॉकडाउन में लोग काम छोड़ कर अपने घरों में बैठ गये हैं. जिस वजह से उन पर मानसिक रूप से कई प्रकार का अवसाद हुआ है. उदाहरण के तौर पर बताया कि घर में बैठे उन्होंने स्वयं महसूस किया कि उनका ब्लड प्रेशर बढ़ गया है, तो कभी लगा कि मोटे हो गये हैं, तो कभी ऐसा महसूस हुआ कि परिवार में मेरी अहमियत कम हो गयी है तो कभी ऐसा लगता कि पेट में गैस हो गयी है. जबकि ऐसी कोई बात नहीं थी. सारा कुछ सामान्य था. उन्होंने बताया कि ऐसी बात नहीं कि इस प्रकार के ख्याल सिर्फ उन्हें आये, बल्कि देश के करोड़ों लोगों ने इसे महसूस किया. इसे दूर करने के लिए एक मात्र उपाय है कि खुद को व्यस्त रखें. कहा कि व्यस्त रखने के लिए गीत-संगीत, डांस, म्यूजिक, खेलकूद, व्याख्यान, कुकिंग, पढ़ाई समेत कई अन्य कार्य को कर खुद को व्यस्त रखा जा सकता है. इस दौरान कॉलेज के प्रभारी प्रिंसिपल डॉ मो रेयाज ने भी अपनी बातों को रखा और इस प्रकार के वेबिनार की उपयोगिता पर प्रकाश डाला. आयोजन के संयोजक की भूमिका डॉ फिरोज इब्राहिमी, डॉ जकी अख्तर समेत कई अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का अहम योगदान रहा.



डीबीएमएस बीएड कॉलेज के प्रतिनिधि वीसी से मिले

जमशेदपुर. डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रतिनिधियों ने शनिवार को कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गंगाधर पांडा से मुलाकात की. इस दौरान उक्त प्रतिनिधिमंडल में प्रिंसिपल डॉ. जूही समर्पिता, सचिव प्रिया धर्मराजन, गवर्निंग बॉडी के सचिव सतीश सिंह शामिल थे. कुलपति ने प्राइवेट बीएड कॉलेज में एडमिशन समेत तमाम समस्याओं की जानकारी ली, साथ ही जल्द ही इस दिशा में कोई सकारात्मक पहल करने की बात कही.



जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज में दीक्षांत समारोह की तैयारी

जमशेदपुर. जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज में दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू की गयी है. कॉलेज में प्रिंसिपल की जिम्मेवारी संभालने के बाद डॉ शुक्ला महांती ने छात्राओं की समस्याओं की समीक्षा की. जिसमें यह बात भी उभर कर सामने आयी कि कॉलेज की छात्राओं को पिछले चार साल से डिग्री नहीं मिल पायी है. इसके बाद प्रिंसिपल डॉ शुक्ला महांती ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के विभिन्न क्लास की छात्राओं की सूची तैयार करने का आदेश दिया है, जिसमें छात्राओं को विभिन्न कैटेगरी में बांटने को कहा गया है. सूची तैयार होने के बाद तय किया जायेगा कि उक्त छात्राओं को किस प्रकार डिग्री मिल सके. प्रिंसिपल डॉ महांती ने बताया कि सूची तैयार होने और कोविड 19 के संक्रमण की स्थिति को देखने के बाद यह निर्णय लिया जायेगा कि उक्त सभी छात्राओं को बाकायदा दीक्षांत समारोह के जरिये डिग्री दी जाये या उन्हें सिर्फ कॉलेज बुला कर डिग्री दे दी जाये.

लाइफ अपडेट

जुस्को स्कूल : समर कैंप में मस्ती की पाठशाला

जमशेदपुर. जुस्को स्कूल साउथ पार्क में ऑनलाइन समर कैंप का आयोजन किया गया. इसमें पहली से छठी क्लास तक के विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही कई व्यावहारिक ज्ञान सीखा. बच्चों को दो अलग-अलग ग्रुपों में बांटा गया था. पहली से तीसरी क्लास तक के ग्रुप में कुल 223 बच्चे जबकि चौथी से छठी क्लास तक के कुल 250 बच्चों ने हिस्सा लिया. इस दौरान बच्चों को डांस, फन विद नंबर, लाइफ स्किल, ताइक्वांडो, आर्चरी, क्रिकेट, चेस, टेबल टेनिस, आर्ट एंड क्राफ्ट समेत कई अन्य गतिविधियां हुई. प्रिंसिपल मिली सिन्हा ने कहा कि बच्चों के ऑलराउंड डेवलपमेंट के लिए इस प्रकार के आयोजन किये गये. इसके लिए किसी प्रकार की कोई राशि बच्चों से नहीं ली गयी थी.



डीएवी बिष्टुपुर में बच्चों ने सीखा म्यूजिक व डांस



जमशेदपुर. डीएवी बिष्टुपुर स्कूल में ऑनलाइन समर कैंप का आयोजन किया गया. आठ से 13 जून तक आयोजित इस समर कैंप में चौथी से सातवीं क्लास तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. कुल 45 विद्यार्थियों ने म्यूजिक, 50 विद्यार्थियों ने डांस जबकि 471 विद्यार्थियों ने फाइन आर्ट में हिस्सा लिया. पंकज घोषाल व सुतापा घोष ने विद्यार्थियों को म्यूजिक, संदीप बोस ने डांस जबकि नवीन कुमार व शुभ्रता दत्ता ने सभी को फाइन आर्ट सिखाया.

आरवीएस के विद्यार्थियों का मॉरलिंग ग्लोबल में चयन

जमशेदपुर. आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सात विद्यार्थियों का चयन दिल्ली की कंपनी मॉरलिंग ग्लोबल में हुआ है. कॉलेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के प्रभारी डॉ विक्रम शर्मा ने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थियों ने मॉरलिंग ग्लोबल में चयन के लिए आवेदन किया था. लॉकडॉउन के कारण कंपनी को कॉलेज परिसर पहुंच कर छात्रों को रिक्रूट करना संभव नहीं हो पाया. कंपनी के प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन ही प्लेसमेंट प्रक्रिया अपनायी. सबसे पहले छात्रों का टेक्निकल राउंड चला, जिसमें करीब 21 छात्रों का चयन किया गया. इस राउंड के बाद एचआर राउंड यानी फाइनल राउंड हुआ, जिसमें सलोनी प्रिया, स्नेहा, साबिया नाज, शुभम कुमार, नेहा सिन्हा, दिपिका रानी व रोहित कुमार सिंह का चयन हुआ. उक्त सभी उम्मीदवारों को ऑफर लेटर भी मिल चुका है. संस्थान के कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने विद्यार्थियों की सफलता पर उत्साह जताया. संस्थान के निदेशक प्रो डॉ आरएन गुप्ता ने कहा कि उक्त अभ्यार्थियों के चयन में उनकी प्रतिभा के साथ ही ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की सक्रियता का योगदान है.



शहादत दिवस पर याद किये गये लाको बोदरा



जमशेदपुर. आदिवासी हो समाज की ओर से वरांग क्षिति लिपि के जनक लाको बोदरा को उनकी शहादत दिवस पर याद किया गया. शहादत दिवस कार्यक्रम का आयोजन गोविंदपुर आदिवासी कोल हो तुपुब हुदा दोस्तुर देशाऊली जायरा प्रांगण में किया गया. समाज के लोगों ने उनकी तसवीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. मौके पर लाखो हेंब्रम, हरिचरण बोदरा, हेमंत सिंह बिरुआ, दुंबी गागराई, कोल सिनु चाकी, विपिन बोदरा, सुधीर बारदा, बुधराम हेंब्रम, शंकर बारदा, रवि बारदा, लखीराम बारदा समेत अन्य मौजूद थे.

सोसाइटी ने ऑनलाइन किया कार्यक्रम

जमशेदपुर. श्री अरविंदो सोसाइटी जमशेदपुर केंद्र द्वारा पाठ्यचक्र कार्यक्रम ऑनलाइन किया गया. संचालन वाइस चेयरमैन चैताली सतपति व स्वागत भाषण चेयरमैन सुदीप्त मुखर्जी ने दिया. वाइस चेयरमैन के प्रभाकर राव ने आध्यात्मिक चेतना पर प्रकाश डाला. सचिव सुबीर दास ने पौधरोपण करने का संदेश दिया. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में संस्था के बच्चों और दो बुजुर्ग राष्ट्रीय योगा प्रतियोगिता में भाग ले रहे है. यह कार्यक्रम ऑनलाइन ऑनलाइन माध्यम से होगा. कार्यक्रम में पांडिचेरी से डॉ आलोक पांडेय, पश्चिम बंगाल से अध्यापक विश्वनाथ राय, जयंतिका बसु, शुभेंदु साहा, भास्कर मुखर्जी, गोपाल चंद्र साहा, विपिन कुमार सिंह, एसएन त्रिवेदी, चंदना चौधरी, सुबीर दास, जया बनर्जी, आभा दास, के करवी राव, अमित राय, रणजीत दास, निवेदिता शरद, अवतार सिंह मोंगा, सुतपा दास, बुलबुल घोष, अर्पणा चंद्रा आदि ने भाग लिया.

लाइफ अपडेट

शिक्षा ओ अनुसंधान डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी को मिला एनआइआरएफ रैंकिंग में टॉप 20 में स्थान



भुवनेश्वर. एनआइआरएफ रैंकिंग में ओडिशा के शैक्षणिक संस्थान शिक्षा ओ अनुसंधान (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) को रैंकिंग में इस वर्ष यूनिवर्सिटी कैटेगरी में टॉप 20 में 20वां स्थान मिला है. इसे लगातार तीन वर्षों से टॉप-20 में जगह मिलती रही है. वर्ष 2017 में इसे डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला था. इंजीनियरिंग कैटेगरी में 34वां और मेडिकल कॉलेज की कैटेगरी में 23वां स्थान मिला है. शिक्षा ओ अनुसंधान की डेंटल साइंस की फैकल्टी इस रैंकिंग में पहली बार शामिल हुई थी, इसे राष्ट्रीय स्तर पर 12वां स्थान मिला है. कुलपति प्रो अशोक कुमार महापात्रा ने इस पर खुशी जाहिर की है. संस्थापक अध्यक्ष मनोरंजन नायक ने कहा कि इस रैंकिंग से हमें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी.

एनआइआरएफ रैंकिंग में महर्षि मार्कण्डेश्वर विवि को 93वां स्थान

चंडीगढ़. एनआइआरएफ रैंकिंग में हरियाणा के प्रमुख निजी विश्वविद्यालय महर्षि मार्कण्डेश्वर (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) ने इस वर्ष 93 वां रैंक हासिल किया है. भारत के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाना विश्वविद्यालय के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है. इस रैंकिंग में एमएमडीयू के डेंटल कॉलेज को 25वें, फार्मेसी कॉलेज को 28वें व मेडिकल कॉलेज को पूरे भारत में 33वें स्थान पर रखा गया है. चांसलर तरसेम गर्ग ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि "हम भारतीय युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए इस सम्मान को स्वीकार करते हैं. हमारे विश्व स्तरीय संकाय के साथ-साथ अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे ने यह सुनिश्चित किया है कि हम हर दिन प्रगति करते रहें. हम अगले साल शीर्ष 50 में रहने का लक्ष्य रखते हैं."



हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत

समाप्त नहीं हो संगीत विशारद की डिग्री

जमशेदपुर. हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के कलाकारों ने शनिवार को मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा. जिसमें संगीत शिक्षक की नियुक्ति के लिए प्रयाग संगीत समिति और प्राचीन कला केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा प्रदत्त विशारद डिग्री की मान्यता को समाप्त नहीं करने की मुख्यमंत्री से गुजारिश की गयी है. इसमें कहा गया है कि इन दोनों संस्थाओं से प्राप्त डिग्री के आधार पर विगत 40-50 वर्षों से झारखंड ही नहीं पूरे देश के विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षक और प्राध्यापक अपनी सेवा दे रहे हैं. कई संगीत के गुरु सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं. कलाकारों ने मुख्यमंत्री से उक्त डिग्री के खिलाफ जारी आदेश को खारिज करने का अनुरोध किया है. सर्किल के अध्यक्ष अनिरुद्ध सेन और महासचिव सुभाष बोस के नेतृत्व में 23 कलाकारों ने उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन दिया.

सरकारी स्कूल के बच्चों को घर में मिलेगा 23 दिन का मिड डे मील

जमशेदपुर. जिले के सरकारी स्कूल में पहली से आठवीं तक के बच्चों को लॉकडाउन में स्कूल बंद रहने के बादजूद मिड डे मील दिया जायेगा. इसे लेकर जिला शिक्षा अधीक्षक ने सभी बीइइओ को एक पत्र लिखा है जिसमें आदेश दिया गया है कि 1 जून से लेकर 30 जून तक बच्चों को मिड डे मील दिया जायेगा.

बताया गया कि जून माह में कुल 23 दिन कार्य दिवस था. इसलिए सभी बच्चों को 23 दिनों का कुकिंग कॉस्ट के साथ ही उनके बीच चावल का भी वितरण किया जायेगा. बताया गया कि पहली से पांचवीं क्लास तक के बच्चों के खाते में कुकिंग कॉस्ट के रूप में 4.97 रुपये, छठी से आठवीं क्लास तक के बच्चों के खाते में 7.45 रुपये दिये जायेंगे. जबकि फल व अंडा के रूप में दिये जाने वाले पोषक पोषाहार के रूप में प्रति छात्र 6 रुपये दिये जायेंगे. साथ ही यह भी आदेश दिया गया है कि सुदूर ग्रामीण इलाके में जिन रहने वाले बच्चे जिनका बैंक अकाउंट नहीं है, इस प्रकार के बच्चों को पूरक पोषाहार की राशि स्कूल प्रबंधन समिति की ओर से दी जायेगी. इसके साथ ही पहली से पांचवीं तक के प्रति छात्र 100 ग्राम चावल जबकि छठी से आठवीं तक के बच्चों के लिए प्रति छात्र 150 ग्राम चावल देने का आदेश दिया गया है.

जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज मामले में राजनीति शुरू

जमशेदपुर. जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में एक चतुर्थ वर्गीय महिला कर्मचारी से जबरन सादे कागज पर हस्ताक्षर करवा लेने के मामले में छात्र राजनीति शुरू हो गयी है. शनिवार को छात्र आजसू ने प्रिंसिपल डॉ एके मेहता से मुलाकात की और इस मामले की जांच की मांग की. साथ ही कहा कि छात्र आजसू इस मामले में असिस्टेंट प्रोफेसर सुभाष दास के साथ है. उन्होंने पूरे मामला किसी अन्य मकसद से प्रायोजित होने का आरोप लगाया. वहीं दूसरी ओर, एआइडीएसओ जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज का प्रतिनिधिमंडल भी प्रिंसिपल डॉ एके मेहता से मिला और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की. कॉलेज सचिव कामेश्वर प्रसाद ने कहा कि जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में कर्मचारियों के बीच आपसी मतभेद को लेकर कॉलेज का माहौल खराब हो रहा है. उन्होंने प्रिंसिपल से इस मामले को तत्काला सुलझाने की मांग की ताकि कॉलेज का माहौल खराब ना हो.

अरका जैन यूनिवर्सिटी में एग्जामिनेशन बोर्ड की बैठक में कई निर्णय

ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों मोड में होगी परीक्षा

- **लॉकडाउन खत्म होने पर होगी फाइनल इयर इंड सेमेस्टर की परीक्षा**
- **फाइनल इयर इंड सेम की परीक्षा ऑफलाइन मोड व सेकेंड व फोर्थ सेम की परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी**

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

अरका जैन यूनिवर्सिटी के धातकीडीह स्थित कॉरपोरेट ऑफिस में यूनिवर्सिटी के एग्जामिनेशन बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ एसएस रजी ने की. कोरोना के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर यह बैठक बुलायी गयी थी. बैठक में मुख्य रूप से विभिन्न वर्ष व कोर्स के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा के आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गयी. जिसमें कई निर्णय लिये गये. इस दौरान तय किया गया कि यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार ही परीक्षाओं का आयोजन किया जायेगा. इस क्रम में लॉकडाउन के खुलने व सरकार के दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा जायेगा. बैठक में यूनिवर्सिटी के निदेशक अमित श्रीवास्तव ने बताया कि फीस भुगतान में हो रही दिक्कतों के मद्देनजर यूनिवर्सिटी ने बेंगलुरु के ऑनलाइन ऋण देने वाली कंपनी फिनांसेपीर के साथ अनुबंध किया है. यह बच्चों के अभिभावकों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर एजुकेशन लोन की सुविधा देगी. अभिभावक आठ किस्तों में अपने इएमआइ का भुगतान कर सकते हैं. ब्याज का खर्च यूनिवर्सिटी वहन करेगी. बैठक में डॉ रजी के अलावा परीक्षा नियंत्रक डॉ प्रवीण ठाकुर, निदेशक अमित श्रीवास्तव, कैंपस निदेशक डॉ अंगद तिवारी, फाइनांस ऑफिसर ऋचा गर्ग, रजिस्ट्रार जसबीर धंजल समेत सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे.

बैठक में लिये गये निर्णय व पारित प्रस्ताव

- फाइनल ईयर की परीक्षा पूर्ण रूप से लॉकडाउन खत्म होने व सरकार के दिशा-निर्देश बाद होगा
- यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार फाइनल इयर अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा ऑफलाइन मोड में व ओपन बुक परीक्षा होगी.
- ओपन बुक एग्जामिनेशन के आयोजन के लिए एकेडमिक काउंसिल के पास प्रस्ताव भेजा जायेगा.
- लॉकडाउन के दौरान परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में पूरी की जायेगी.
- सेकेंड व फोर्थ सेमेस्टर की परीक्षा ऑनलाइन मोड में जुलाई के दूसरे सप्ताह में होगा.
- ऑनलाइन परीक्षा मल्टीपल च्वाइस बेस्ड होगी, प्रस्ताव पारित
- सेकेंड व फोर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का प्रोमोशन ऑनलाइन परीक्षा में प्राप्तांक, मिड टर्म परीक्षा में मिले अंक एवं पिछले सेमेस्टर में प्राप्त अंक के आधार पर होगा
- कोरोना के मद्देनजर सभी विद्यार्थियों को अटेंडेंस (उपस्थिति) के पूरे 5 मार्क्स दिये जायेंगे.
- ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होने से वंचित रहने पर यूनिवर्सिटी खुलने पर कैंपस में ही स्पेशल परीक्षा की व्यवस्था की जायेगी.
- यूनिवर्सिटी में बिना ब्याज के एजुकेशन लोन